सांध्य दैनिक 4PM

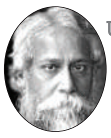

पंखुड़ियां तोड़ कर आप फूल की खूबसूरती नहीं इकट्ठा करते।

-रबिन्द्रनाथ टैगोर

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 7 ● अंकः 348 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 24 जनवरी, 2022

रिहर्सल में दिखी गणतंत्र दिवस... 8 | अब बसपा ने कसी कमर, डिजिटल... 3 | अभी और सताएगी ठंड, कई... 7

स्वामी प्रसाद मौर्या का बड़ा हमला, कहा

भाजपा ने किया सबका विनाश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान चुनाव के साथ प्रदेश में सियासी पारा चढ़ता जा रहा है। सत्ता और विपक्ष के बीच वार-पलटवार जारी है। इसी क्रम में भाजपा से सपा में आए स्वामी प्रसाद मौर्या ने वर्चुअल रैली के जरिए भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार दलित, पिछड़ा किसान और व्यापारी विरोधी रही है। भाजपा ने सबका साथ, सबका विकास नारा देकर इसके उल्टा किया। भाजपा ने सबका साथ सबका विनाश किया। वहीं सपा सरकार में बड़े पैमाने पर विकास किया गया है। छात्र-छात्राओं, गरीबों और किसानों को बढ़ने का मौका दिया। लिहाजा आज वक्त आ गया है कि सभी मिलकर सपा की सरकार बनाने का संकल्प लें और शोषण की पर्याय भाजपा को उखाड़ फेंके।

उन्होंने कहा कि पूरे देश में किसान विरोधी नीति के रूप में कृषि बिल थोपने का काम किया गया। पूरे देश में लाखों किसान आंदोलन करने को मजबूर हुआ लेकिन भाजपा सरकार की कान में जूं नहीं रेंगी। चुनाव में जनाधार खिसकने का डर हुआ तो आनन-फानन में कृषि बिल को वापस लेने की घोषणा की गयी। साफ है ये किसानों के हितैषी नहीं है। किसानों की लाश पर वोट की राजनीति करते हैं। ये वोट के सौदागर हैं। किसानों के नाम पर भाजपा नेता घड़ियाली आंसू बहाते हैं। पशु किसानों की फसल चट कर रहे हैं और सरकार 6 हजार सालाना देकर किसानों के हमदर्द होने का नाटक कर रही है। इन छुट्टा पशुओं को रोकने का कोई नहीं काम किया गया। नैतिकता खो चुकी भाजपा सरकार को सत्ता में रहने का हक नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीति है कि लोगों को मोहताज रखो। गरीब बनाओ, लाचार बनाओ। जिस तरह कांग्रेस लोगों को गरीब, बदहाल और लाचार बनाकर रखती थी ठीक वहीं नीति भाजपा अपनाए हुए है। गरीबों को राशन और 6 हजार किसानों को देकर वाहवाही लूट रही है। किसानों को सम्मान बचाना है तो चौधरी चरण सिंह की बात याद रखनी होगी कि खुशहाली का रास्ता खेत और खलिहान से होकर जाता है। किसान भाइयों अब समय आ गया किसान विरोधी भाजपा सरकार को उखाड़ कर फेंक दो।

- वोट की राजनीति के लिए लोगों को बना रही गरीब
- जनाधार खिसकने के डर से वापस किए कृषि कानून
- किसानों, दलितों, पिछड़ों का शोषण किया सरकार ने

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

भाजपा नेता अनिल वर्मा सपा में शामिल

भाजपा नेता और शाहजहांपुर की जलालाबाद सीट से प्रत्याशी रहे अनिल वर्मा ने सपा की विचारधारा से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ली। इस मौके पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी मौजूद रहे। सपा के आधिकारिक ट्विटर से यह जानकारी दी गयी।

अगले चरण के उम्मीदवारों पर दिल्ली में मंथन, शाह भी पहुंचे

- सहयोगी दलों की सीटों पर भी होगी चर्चा
- केंद्रीय समिति की मुहर के बाद होगा नामों का ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में सत्ता बरकरार रखने के लिए भाजपा एक-एक प्रत्याशी के चयन को लेकर माथापच्ची करने में जुटी है। इसी कड़ी में आज दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में पांचवें, छठवें और सातवें चरण के उम्मीदवारों के चयन पर मंथन किया जा रहा है। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री व भाजपा कद्दावर नेता अमित शाह शामिल है। सीएम योगी आदित्यनाथ भी बैठक में मौजूद हैं।

भाजपा सहयोगी दलों को दी जाने वाली सीटों की संख्या पर भी चर्चा होगी जिन प्रत्याशियों के नामों पर मुहर लगेगी उन्हें फिर केंद्रीय समिति को सौंपा जाएगा। बैठक 25 जनवरी तक चलेगी और इस दिन केंद्रीय समिति उम्मीदवारों के नामों पर आखिरी मुहर लगाएगी। इसके बाद प्रत्याशियों के नामों का ऐलान किया जाएगा। भाजपा उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव के लिए के लिए अब तक 194 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर चुकी है। पहली सूची में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य सहित 107 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की थी। इसके बाद पार्टी ने बरेली जिले की दो और सीटों

के लिए उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की थी।

कानून मंत्री बृजेश पाठक ने घर-घर जाकर मांगे वोट

- लखनऊ के नरही में किया चुनाव प्रचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चुनाव आयोग द्वारा रैलियों और रोड शो पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद भाजपा ने अपने प्रचार की रणनीति बदल दी है। एक ओर वह वर्चुअल रैलियां कर रही है वहीं उसके दिग्गज नेता घर-घर जाकर जनसंपर्क कर रहे हैं और पार्टी के पक्ष में मतदान की अपील लोगों से कर रहे हैं। इसी कड़ी में कानून मंत्री बृजेश पाठक ने आज लखनऊ के नरही बाजार में जमकर प्रचार अभियान चलाया। वे लोगों के घर-घर पहुंचे और लोगों से भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की। इस दौरान वे कोरोना

प्रोटोकाल और आचार संहिता का पालन करते भी दिखे। उन्होंने एक बार फिर प्रदेश में भाजपा सरकार बनने का दावा किया।

कांग्रेस में भगदड़ जारी, दूसरे दलों में जा रहे प्रत्याशी

» पार्टी नेतृत्व पर उठे सवाल स्क्रीनिंग प्रक्रिया पर कार्यकर्ताओं में नाराजगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस पार्टी में भगदड़ जारी है। पार्टी की ओर से घोषित किये गए प्रत्याशियों के कांग्रेस छोड़कर दूसरे दलों का दामन थामने का सिलसिला जारी है। इसे देखते हुए पार्टी के कार्यकर्ता भी अब कहने लगे हैं कि कांग्रेस के कर्ता-धर्ताओं को प्रत्याशियों की पहचान नहीं है। वे पार्टी के फीडबैक और स्क्रीनिंग प्रक्रिया को लेकर भी अंदरखाने सवाल कर रहे हैं।

कांग्रेस ने 13 जनवरी को 125 प्रत्याशियों की अपनी पहली सूची जारी की थी। उसमें रामपुर की चमरव्वा सीट से प्रत्याशी बनाये गए यूसुफ अली यूसुफ अगले ही दिन सपा में शामिल हो गए थे। यह बात और है कि सपा ने उन्हें टिकट के काबिल नहीं समझा तो वह पुराने ठिकाने में वापस आने के लिए मजबूर हुए और माफीनामा लिखकर कांग्रेस में फिर शामिल हो गए। कांग्रेस को दूसरा झटका रामपुर में लगा। यहां की स्वार सीट से पार्टी के प्रत्याशी घोषित किये गए हैदर अली खां उर्फ हमजा मियां ने कांग्रेस छोड़कर अपना दल (सोनेलाल) से हाथ मिला लिया और अब उसके उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ेंगे। वहीं कांग्रेस की ओर से बरेली कैंट की प्रत्याशी घोषित की गईं सुप्रिया ऐरन अपने पति व कांग्रेस के पूर्व सांसद प्रवीण सिंह ऐरन के साथ समाजवादी पार्टी में शामिल हो गईं। सपा ने उन्हें बरेली कैंट सीट से ही अपना उम्मीदवार घोषित करने में देर नहीं की। गौरतलब है कि कांग्रेस ने प्रत्याशी घोषित करने से पहले जिला कमेटियों और विभिन्न माध्यमों से उनके बारे में फीडबैक हासिल किया था। टिकट के आवेदकों से साक्षात्कार करने के लिए पार्टी की स्क्रीनिंग कमेटी जिलों में गई थी। पार्टी का दावा है कि हर जिले में उसका संगठनात्मक तंत्र है। इसके बावजूद प्रत्याशियों के पार्टी छोड़ने के बारे में पार्टी को भनक नहीं लग सकी।

ओपिनियन पोल के खिलाफ चुनाव आयोग पहुंची सपा

» कहा, टीवी चैनल कर रहे आचार संहिता का उल्लंघन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा ने टीवी न्यूज चैनलों पर चल रहे ओपिनियन पोल के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत की है। पार्टी ने चुनाव आयोग से न्यूज चैनलों पर दिखाए जा रहे ओपिनियन पोल पर रोक लगाने की मांग करते हुए कहा है कि इससे मतदाता भ्रमित हो रहे हैं। यह चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन है।

समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर समाचार चैनलों की ओर से दिखाए जा रहे जनमत सर्वेक्षण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने की मांग की है। उन्होंने पत्र में लिखा है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव की तारीखों का ऐलान आठ जनवरी को हो गया है। प्रथम चरण का नामांकन समाप्त हो गया है। प्रदेश में सात चरणों में चुनाव होंगे। अंतिम चरण का मतदान सात मार्च और मतगणना 10 मार्च को होगी। कई टेलीविजन चैनल जनमत सर्वेक्षण दिखा रहे हैं जिससे मतदाता भ्रमित और चुनाव प्रभावित हो रहा है। यह आदर्श आचार संहिता का खुला उल्लंघन है। उन्होंने स्वतंत्र, निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने के लिए जनमत सर्वेक्षण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने की मांग की है। सपा के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी ने भी मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर कहा है कि शामली के कैराना सहित कई विधान सभा क्षेत्रों में भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा आदर्श आचार संहिता और कोविड-19 को लेकर जारी किये गए दिशानिर्देशों का उल्लंघन करते हुए 10 लोगों से अधिक संख्या में चुनाव प्रचार किया जा रहा है। उन्होंने आयोग से इसके खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की है। बता दें कि यूपी विधान सभा चुनाव से पहले टीवी चैनलों पर लगातार सर्वे दिखाए जा रहे हैं। सर्वे में भाजपा को पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की कही जा रही है। वहीं सपा को मजबूत पार्टी की तरह दिखाया जा रहा है। सपा ने चुनाव से इस तरह के सर्वे पर रोक लगाने की मांग की है।

माया का भाजपा पर हमला, बोलीं सीएम योगी का मठ बंगले जैसा

बसपा सरकार में गरीबों को दिए गए मकान, गिनाईं अपनी उपलब्धियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव का संग्राम शुरू हो चुका है। बसपा ने भी चुनाव मैदान में ताकत झोंकनी शुरू कर दी है। बसपा प्रमुख मायावती ने भाजपा पर हमला बोला है। मायावती ने कहा कि सीएम योगी का मठ किसी बंगले से कम नहीं है। बसपा सरकार ने हमेशा गरीबों के लिए ही काम किया है। गरीब को मकान और जमीन देने में बसपा सरकार का रिकॉर्ड सबसे अच्छा है।

मायावती ने ट्वीट कर कहा शायद पश्चिमी यूपी की जनता को यह मालूम नहीं है कि गोरखपुर में योगी जी का बना मठ किसी बड़े बंगले से कम नहीं है। यदि इस बारे में भी यह बता देते तो बेहतर होता। उन्होंने कहा कि यह भी बेहतर होता यदि यूपी के सीएम अपनी सरकार की तारीफ के साथ बसपा सरकार के जनहित से जुड़े कार्यों का भी कुछ उल्लेख कर देते क्योंकि इन्हें मालूम होना चाहिए कि गरीबों को मकान व भूमिहीनों को जमीन देने के मामले में बीएसपी सरकार का रिकार्ड बेहतरीन रहा है। बसपा सरकार द्वारा मान्यवर कांशीराम शहरी गरीब आवास योजना के तहत केवल दो चरण में ही डेढ़ लाख से अधिक पक्के मकान दिए गए तथा सर्वजन हिताय गरीब आवास मालिकाना हक योजना के तहत काफी परिवारों को लाभ मिला। लाखों भूमिहीन परिवारों को भी भूमि दी गई।

इस दौरान मायावती ने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि बसपा सरकार ने सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की सोच के साथ ही उत्तर प्रदेश का विकास कराया है। कांशीराम कालोनी के जरिए लाखों गरीबों को मकान दिया है। उन्होंने कहा कि गरीबों को जमीन का मालिक भी बनाया। उनकी पार्टी ही गरीबों की सच्ची हितैषी पार्टी है।

सिद्धू ने फिर उठाई सीएम चेहरा घोषित करने की मांग

» कहा, जनता की दुविधा दूर करें शीर्ष नेतृत्व

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। अपने 13 सूत्रीय पंजाब मॉडल को सूबे के भविष्य की तस्वीर के रूप में पेश कर रहे पंजाब कांग्रेस कमेटी के प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू ने स्पष्ट कर दिया कि उनका पंजाब मॉडल या तो कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र का हिस्सा होगा या फिर घोषणा पत्र नहीं होगा। उन्होंने कहा कि पंजाब मॉडल है तो नवजोत सिद्धू है। इसके साथ उन्होंने पंजाब चुनाव में कांग्रेस का मुख्यमंत्री चेहरा घोषित किए जाने की मांग को फिर से बुलंद करते हुए कहा कि पंजाब की जनता दुविधा में है और अगर यह दुविधा दूर हो गई तो पार्टी 70 सीटें जीतकर फिर से सरकार बनाएगी।

चंडीगढ़ में रविवार को पत्रकारों के साथ अनौपचारिक बातचीत के दौरान सिद्धू ने जहां पंजाब मॉडल के एजेंडे को फिर से विस्तारपूर्वक रखा, वहीं राज्य में पार्टी और सरकार से जुड़े मुद्दे भी इशारों-इशारों में उठाए। उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता के सामने आज यह सवाल है कि प्रदेश को दलदल से बाहर कौन और कैसे निकालेगा। इसके लिए रोडमैप होना चाहिए और अगर इस रोडमैप को घोषणा पत्र के रूप में पेश किया गया तो कांग्रेस की जीत पक्की है। जनता उसी पर भरोसा करेगी जो रोडमैप पेश करेगा कि खजाना कैसे भरेगा, विदेश का रुख कर रहे युवाओं को पंजाब में रोजगार कैसे मिल सकेगा, युवाओं को उद्यमी कैसे बनाया जा सकता है और कृषि क्षेत्र को फिर से कैसे प्रफुल्लित कर किसानों का जीवन सुधारा जा सकता है।

रुहेलखंड में भाजपा के पक्ष में माहौल बनाएंगे केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा

मंडल के हर जिले में कर सकते हैं प्रचार बनाया गया है स्टार प्रचारक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बरेली। मिशन यूपी को सफल बनाने के लिए भाजपा ने तुरुप के पत्तों को मैदान में उतारना शुरू कर दिया है। कोरोना महामारी के चलते चुनावी जनसभाएं और रैलियां तो नहीं हो पा रही हैं, लेकिन स्टार प्रचारकों को बुलाकर माहौल अपने पक्ष में कराने की तैयारी शुरू कर दी गई है। रुहेलखंड मंडल के जिलों में केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा का पिछड़ा वर्ग के वोटरों में अच्छा प्रभाव है। जिले के हर विधानसभा क्षेत्र में इनका कार्यक्रम लगवाने की तैयारी कर ली गई है।

पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के साथ लंबे समय तक पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लोधी समाज के बीच काम कर चुके बीएल वर्मा केंद्र में सहकारिता राज्यमंत्री हैं। इस समय वह सीधे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से जुड़े हुए हैं। चार दिन पहले प्रधानमंत्री ने खुद उन्हें बुलाकर राजनीतिक हालात पर चर्चा की थी। उसके बाद जारी हुए स्टार प्रचारकों की सूची में इनका नाम भी शामिल किया गया है। भाजपा में यहां वह क्षेत्रीय अध्यक्ष के पद पर रह चुके हैं जबकि कल्याण सिंह की पार्टी राष्ट्रीय क्रांति दल में प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। रुहेलखंड मंडल ही नहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों में उनका अपना प्रभाव भी है। पिछले विधान सभा चुनाव और लोकसभा चुनाव में यहां पार्टी का परचम लहराने में अग्रणी भूमिका निभा चुके हैं। इस संबंध में केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने कहा कि जहां की जिम्मेदारी मिलेगी पूरी ताकत से पार्टी के प्रत्याशी को विधान सभा तक पहुंचाएंगे। बदायूं समेत रुहेलखंड मंडल और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों में वर्षों से काम किया है। पीएम मोदी और गृहमंत्री शाह से चर्चा हुई है। अपने जिले से खास लगाव है, इसलिए हर तरह से पार्टी प्रत्याशियों को जिताने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

अब बसपा ने कसी कमर, डिजिटल वार रूम से बना रही रणनीति

हर जिले में चार-पांच लोगों की टीम को किया गया है तैनात

» लखनऊ कार्यालय में 24 घंटे चल रहा है डिजिटल वार रूम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चुनाव आयोग के प्रतिबंधों के कारण विधान सभा चुनाव में फिलहाल रैलियों और रोड शो का शोर नहीं सुनायी दे रहा है। वहीं सियासी दलों ने लोगों से वर्चुअल संवाद स्थापित करने के लिए अपनी रणनीति तैयार कर ली है। बसपा भी किसी से पीछे नहीं है। वह अपने डिजिटल वार रूम से सियासी दांव-पेंच चल रही है। वहीं उसके रणनीतिकार पूरे व्यवस्था पर नजर रखे हुए हैं।

बसपा भी डिजिटल मोड में चुनाव लड़ने के लिए कमर कस चुकी है। प्रत्येक जिले में प्रत्येक प्रत्याशी ने डिजिटल वॉर रूम बनवाया है। इनमें चार से पांच लोगों की टीम लगाई गई है। प्रदेश कार्यालय पर अलग वॉर रूम है। सबसे अहम वॉर रूम पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा के लखनऊ कार्यालय पर काम कर रहा है। यह 24 घंटे चलता है और इसमें छह-छह लोगों की पालियों में ड्यूटी लगाई गई है। यह टीम व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर लगातार लोगों को जोड़ती रहती है। यहीं से प्रत्याशियों के वॉर रूम से संपर्क किया जाता है। कौन को-ऑर्डिनेटर कहां है, इस पर भी डिजिटल वॉर रूम से नजर रखी जा रही है। टीमों की ग्राउंड रिपोर्ट इसी के जरिए भेजी जाती है। अहम बात यह है कि बसपा सुप्रीमो मायावती प्रदेश कार्यालय के वॉर रूम से स्वयं भी नजर रखती हैं।

ग्राफिक्स का प्रयोग

बसपा के डिजिटल वॉर रूम में सबसे ज्यादा प्रयोग ग्राफिक्स पर किया जा रहा है। सबसे ज्यादा जोर इन्हें प्रभावी और मारक बनाने पर है। ग्राफिक्स फाइनल होते ही उसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड कर दिया जाता है। इनमें कई ग्राफिक्स तो टॉप ट्रेंड में शामिल रह चुके हैं।

टीम ऐसे करती है काम

क्रिएटिव कंटेंट टीम यह तय करती है कि पार्टी सुप्रीमो या नेता को क्या बोलना है, कौन से स्लोगन, कौन से नारे कहां दिए जा सकते हैं। कौन सा नया गीत कहां गाया जा सकता है। टीम ऐसे रोचक कंटेंट भी तैयार करती है, जो आमजन के मन पर असर करे। वहीं रिसर्च टीम टीम युवाओं, महिलाओं, बेरोजगारों, बुजुर्गों की स्थिति के साथ ही धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक स्थिति से जुड़े आंकड़ों का डाटाबेस तैयार करती है। कब क्या अच्छा, कब बुरा हुआ, घटनाओं का पूरा इतिहास, भूगोल विभिन्न माध्यमों से जुटाकर पार्टी को उसकी जरूरत के हिसाब से उपलब्ध कराती है। कैंपेन टीम तय करती है कि लोगों का ध्यान खींचने के लिए कौन-कौन से अभियान चलाए जा सकते हैं। कहां वर्चुअल संगोष्ठी की जरूरत है। संगोष्ठी को कैसे प्रभावी बनाया जा सकता है, यह सब कैंपेन टीम तय करती है। वहीं मॉनिटरिंग टीम यह देखती है कि जिसको जो जिम्मेदारी दी गई है, वह पूरी हो रही है या नही, अभियान तय प्रक्रिया के हिसाब से चल रहे हैं कि नहीं, प्रत्याशी की सक्रियता कितनी है।

पश्चिमी यूपी को साधने में जुटे दिग्गज, शाह ने संभाला मोर्चा

कैराना के पलायन पीड़ितों से मुलाकात कर जनता को बड़ा संदेश देने की कोशिश

गृहमंत्री ने घर-घर जाकर किया प्रचार, जेपी नड्डा ने बिजनौर में की समीक्षा बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आता जा रहा है, प्रदेश का सियासी पारा चढ़ता जा रहा है। प्रदेश में सत्ता को बरकरार रखने के लिए भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश को साधने के लिए खुद भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृहमंत्री अमित शाह ने मोर्चा संभाल लिया है। शाह न केवल कैराना पहुंचे बल्कि यहां के पलायन पीड़ितों से मुलाकात कर प्रदेश की जनता को खास संदेश देने की कोशिश की वहीं घर-घर जाकर लोगों से भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील भी की।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पिछले दिनों शामली के कैराना पहुंचे। उनके साथ कैराना से भाजपा प्रत्याशी मृगांका सिंह, गन्ना मंत्री सुरेश राणा व सांसद प्रदीप चौधरी भी मौजूद रहे। अमित शाह लोगों से घर-घर जाकर आने वाली दस फरवरी को भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। यही नहीं वे टीचर्स कालोनी में जनसंपर्क करने के बाद पलायन पीड़ित साधु यादव के घर पहुंचे और उनसे मुलाकात की। माना जा रहा है कि शाह ने पलायन पीड़ितों से मुलाकात कर अपने कोर वोटरों को खास संदेश देने की कोशिश की है। यही नहीं कैराना में हुए पलायन को मुद्दा बनाकर भाजपा सपा पर लगातार हमलावर रही है। यही नहीं किसान आंदोलन के कारण यहां भाजपा में आक्रोश को देखते हुए भी शाह ने मोर्चा संभाला है। भाजपा नेताओं का दावा है कि कृषि कानूनों की वापसी के बाद किसान एक बार फिर उनके पक्ष में मतदान करेंगे। वे गन्ना भुगतान कराने और कर्जमाफी करने की सरकार की नीति का भी हवाला दे रहे हैं। वहीं जेपी नड्डा बिजनौर पहुंचे और यहां की सियासी जमीन को मजबूत करने की कोशिश की। यहां उन्होंने पदाधिकारियों के साथ बैठक की और उन्हें जीत का मंत्र दिया।

दूरदर्शन व आकाशवाणी पर चुनाव प्रचार को मिले 478 मिनट

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव में राजनीतिक दलों को प्रचार के लिए दूरदर्शन और आकाशवाणी पर 1798 मिनट का समय आवंटित किया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि भाजपा को 478 मिनट दिए गए हैं। दूरदर्शन पर 5 फरवरी से 5 मार्च तक 16 दिन प्रसारण होगा। इसका समय दोपहर 1 से 3 बजे तक होगा। आकाशवाणी पर 14 दिन का प्रसारण होगा। आकाशवाणी पर सुबह 1 से 11 बजे और शाम 5.30 से शाम 7.10 बजे तक प्रसारण होगा।

पदाधिकारियों को दिया जीत का मंत्र

विधान सभा चुनावों में प्रचार के लिए भाजपा के दिग्गज नेताओं ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश को मथना शुरू कर दिया है। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। पहले चरण का नामांकन पूरा होते ही भाजपा ने पश्चिमी यूपी में पूरी ताकत झोंक दी है। गृहमंत्री अमित शाह ने शामली में भाजपा पदाधिकारियों के साथ बैठक कर जीत का मंत्र दिया। वहीं सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुलंदशहर में और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सहारनपुर पहुंचे और बैठकें की।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

गंदगी से जूझते शहर और तंत्र

> “कोरोना की तीसरी लहर में भी उत्तर प्रदेश के तमाम शहर गंदगी से जूझ रहे हैं। गली से लेकर सड़कों तक कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। भारी भरकम बजट के बावजूद अधिकांश शहरों में कूड़ा उठान से लेकर इसके निस्तारण तक की समुचित व्यवस्था नहीं है। ये ढेर महामारी के संक्रमण को न्योता दे रहे हैं। वहीं संबंधित विभाग केवल कागजों में सबकुछ दुरुस्त करने में जुटा है।

कोरोना की तीसरी लहर में भी उत्तर प्रदेश के तमाम शहर गंदगी से जूझ रहे हैं। गली से लेकर सड़कों तक कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। भारी भरकम बजट के बावजूद अधिकांश शहरों में कूड़ा उठान से लेकर इसके निस्तारण तक की समुचित व्यवस्था नहीं है। ये ढेर महामारी के संक्रमण को न्योता दे रहे हैं। वहीं संबंधित विभाग केवल कागजों में सबकुछ दुरुस्त करने में जुटे हैं। सवाल यह है कि शहर को स्वच्छ रखने के लिए जिम्मेदार नगर निगम और नगर पालिकाएं क्या कर रही हैं? स्वच्छता अभियान का असर क्यों नहीं दिख रहा है? कूड़े के निस्तारण की पर्याप्त व्यवस्था क्यों नहीं की गयी है? आखिर भारी-भरकम बजट कहां खर्च हो रहा है? महामारी काल में क्या जनता की सेहत से खिलवाड़ करने की छूट दी जा सकती है? सरकार स्वच्छता को लेकर गंभीर क्यों नहीं दिख रही है? क्या ऐसे ही शहर को स्मार्ट बनाने का सपना साकार होगा?

गंदगी उत्तर प्रदेश के तमाम शहरों की पहचान बनती जा रही है। कई सरकारें आईं और गईं लेकिन शहरों से गंदगी का अंबार खत्म नहीं हुआ। राजधानी लखनऊ की भी हालत कोई बेहतर नहीं है। यहां अधिकांश इलाकों में सफाई कर्मी नहीं पहुंचते हैं। डोर-टू-डोर कूड़ा उठान भी कुछ पॉश कॉलोनियों तक ही सिमटा हुआ है। कूड़ा निस्तारण का हाल और भी खराब है। खाली प्लाटों और सड़कों पर कूड़े के ढेर लगे रहते हैं लेकिन इनको उठाने वाला कोई नहीं है। पुराने लखनऊ की हालात तो और भी खराब है। यहां गलियों में फैला गंदगी का अंबार संक्रामक रोगों को न्योता देता है। इन ढेरों पर इस्तेमाल किए हुए मास्क आदि भी फेंके जाते हैं, जिससे कोरोना के संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। यह स्थिति तब है जब शहर को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी नगर निगम को सौंपी गयी है और उसके पास पर्याप्त संसाधन और कर्मचारी हैं। यही नहीं हर साल शहर को स्वच्छ रखने के लिए भारी-भरकम बजट जारी किया जाता है। लापरवाही का आलम यह है कि सड़कों के किनारे रखे गए नगर निगम के डस्टबिन से भी कूड़ा उठान नहीं किया जाता है। महानगर, इंदिरा नगर, मॉडल हाउस, पत्रकारपुरम समेत कई इलाकों की सड़कों पर कूड़े के ढेर लगे रहते हैं। जाहिर है जब राजधानी लखनऊ का यह हाल है तो अन्य शहरों का आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है। यही वजह है कि स्वच्छता सर्वेक्षण में लखनऊ की रैंकिंग सुधर नहीं रही है। जाहिर है यदि सरकार शहरों को स्वच्छ रखना चाहती है तो उसे जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करनी होगी और साथ ही लापरवाही करने वालों को दंडित भी करना होगा अन्यथा स्मार्ट सिटी सपना बनकर रह जाएगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बढ़ती आर्थिक असमानता के खतरे

विश्वनाथ सचदेव

‘वर्ल्ड इकानॉमिक फोरम’ के दावोस सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनियाभर के उद्यमियों को भारत में आकर व्यवसाय करने की दावत दी है। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि भारत आर्थिक विकास की दिशा में तेज़ी से बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत दुनिया को आशा का एक सुंदर गुलदस्ता दे रहा है। इसमें हम भारतीयों की जनतंत्र में अटूट आस्था है, 21वीं सदी को सशक्त बनाने वाली तकनीक है और हमारी वह प्रतिभा और स्वभाव है जो दुनिया को प्रेरणा दे सकता है। आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में दुनिया को भारत का यह संदेश निश्चित रूप से भरोसा दिलाने वाला है और हम भारतीयों को भी इस बात का अहसास कराने वाला है कि ‘अच्छे दिन’ कहीं आस-पास ही हैं।

दुनिया को उम्मीद का जो गुलदस्ता देने की बात प्रधानमंत्री ने दावोस सम्मेलन को संबोधित करते हुए की है, वह गुलदस्ता हम भारतीयों के लिए भी है। इस बारे में दुनिया के देश क्या सोच रहे हैं, क्या कह रहे हैं यह तो आने वाला कल बताएगा, पर वर्ल्ड इकानॉमिक फोरम के इसी सम्मेलन में ‘आक्सफेम’ की एक रिपोर्ट भी सामने आयी है, जिस पर हमें विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए। इस रिपोर्ट के अनुसार मार्च 2020 से लेकर नवंबर 2021 तक की अवधि में भारत में साढ़े चार करोड़ से अधिक लोग ‘अति गरीबी’ की स्थिति में पहुंच गये हैं। पूरी दुनिया में जितने लोग गरीबी की इस स्थिति में हैं उसकी आधी संख्या है यह। इसमें कोई संदेह नहीं कि यह अवधि कोरोना-काल की है, जिसमें सारी दुनिया ने आर्थिक मार को झेला है लेकिन हमारी स्थिति अधिकांश देशों की तुलना में कहीं अधिक चिंताजनक है। आक्सफेम की रिपोर्ट बताती है कि हमारे देश में इस कोरोना-काल में 84 प्रतिशत परिवारों की कमाई में कमी आयी है। जहां तक बेरोजगारी का सवाल है, शहरी क्षेत्रों में यह दर पंद्रह प्रतिशत से भी अधिक है। इसमें यदि महंगाई के आंकड़े भी जोड़ दिये जाएं तो स्थिति की भयावहता और बढ़ जाती है। इस स्थिति का तकाजा है कि आज जब हम आर्थिक विकास की दिशा में बढ़ते कदमों की बात करें तो इस गरीबी और बेरोजगारी की तरफ भी नज़र रखें। उम्मीद का जो गुलदस्ता हम दुनिया को दे रहे हैं उसकी गंध देश के उन अस्सी करोड़ परिवारों तक भी पहुंचनी चाहिए जिन्हें कोरोना-काल में मुफ्त खाद्यान्न देने की जरूरत देश को पड़ गयी थी। यह ज़रूरत इस बात का भी स्पष्ट संकेत है कि ‘अच्छे दिनों’ की आहट की जो बात हम करते हैं, वह अभी बहुत धीमी है। भारत में यह मौसम चुनावों का है। देश के पांच राज्यों में चुनावों का शोर सुनाई दे रहा है। हर राजनीतिक दल अपनी खूबियों के बजाय प्रतिपक्षी की कमियों की ओर इशारा करने में लगा है। नये-नये सामाजिक समीकरण बनाये जा रहे हैं, धार्मिक और जातीय ध्रुवीकरण की कोशिशों के शोर में गरीबी का जरूरी मुद्दा कहीं खो-सा गया है। लगभग आधी सदी पहले हुए एक राष्ट्रीय चुनाव में गरीबी सबसे बड़ा मुद्दा बना था। ‘गरीबी हटाओ’ के नारे पर चुनाव जीता गया था। मतदाता ने उम्मीद की थी कि यह सिर्फ नारा या जुमला नहीं रहेगा। पर उम्मीद पूरी नहीं हुई। ऐसा नहीं है कि इस दौरान हमारी सरकारों ने इस दिशा में कुछ करना नहीं चाहा, पर हकीकत यह है कि कोशिश के पीछे उस ईमानदारी का अभाव था जो होनी चाहिए थी। इसी का परिणाम है कि पूरी दुनिया में गरीबी के जाल में फंसे लोगों की आधी संख्या हमारे भारत में है। देश की राष्ट्रीय आय का आधे से अधिक हिस्सा उस तबके के पास जा रहा था जिसे ‘सुपर रिच’ कहा जाता है और आधे भारतीय राष्ट्रीय आय के 13 प्रतिशत पर गुजारा करने के लिए मजबूर हैं। मध्यम वर्ग और निम्न मध्यम वर्ग की स्थिति भी गरीबों से बहुत अच्छी नहीं है। सवाल उठता है यह आर्थिक स्थिति हमारी राजनीति का, हमारे चुनावों का मुद्दा क्यों नहीं बनती? हैरानी की बात है कि चुनाव प्रचार में हमारे राजनेताओं को इस संदर्भ में कुछ कहने की आवश्यकता महसूस नहीं होती। चुनाव का सारा गणित जातियों के आधार पर चल रहा है। जाति के आधार पर टिकट बंटते हैं। वोट मांगे जाते हैं और वोट दिये भी जाते हैं।

कोरोना-काल में देश के अस्सी करोड़ परिवारों का मुफ्त पेट भरने का दावा करने वालों को इस बात की चिंता कब होगी कि अस्सी करोड़ परिवारों को मांग कर खाने के लिए मजबूर क्यों होना पड़ा? आज हमारे राजनीतिक दल आश्वासनों का ढेर लगा रहे हैं। मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, सम्मान निधि के नाम पर दी जाने वाली आर्थिक सहायता, मुफ्त लैपटॉप... इस सबकी ज़रूरत ही अपने आप में एक शर्मनाक स्थिति को बयां करती है। स्पष्ट है, हमारी नीतियों में कहीं न कहीं बहुत बड़ा खोट रहा है।

पाकिस्तान की नई राष्ट्रीय सुरक्षा नीति और भारत

वेदप्रताप वैदिक

पाकिस्तान ने 14 जनवरी को पहली बार अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा नीति की घोषणा की। जब से पाकिस्तान बना है, ऐसी घोषणा पहले कभी नहीं की गई। इसका अर्थ यह नहीं है कि पाकिस्तान की कोई सुरक्षा नीति ही नहीं थी। यदि ऐसा होता तो वह अपने पड़ोसी भारत के साथ कई युद्ध कैसे लड़ता और आतंकवाद को अपनी स्थायी रणनीति क्यों बनाए रखता? परमाणु बम तो वैसी स्थिति में बन ही नहीं सकता था। अफगानिस्तान के साथ वह कई-कई बार युद्ध के कगार पर कैसे पहुंच जाता? अफगानिस्तान के सशस्त्र गिरोहों को पिछले 50 साल से वह शरण क्यों देता रहता? किसी सुरक्षा नीति के बिना अमेरिका के सैन्य-गुटों में वह शामिल क्यों हो गया था? पहले अमेरिका और अब चीन का पिछलग्गू बनने के पीछे उसका रहस्य क्या है? बस वही, सुरक्षा नीति। सुरक्षा किससे? भारत से।

जब से पाकिस्तान बना है, उसके दिल में यह डर बैठा हुआ है कि भारत उसका वजूद मिटा देगा। भारत उसे खत्म करके ही दम लेगा। भारत ने 1971 में पूर्वी पाकिस्तान को तोड़कर बांग्लादेश बना दिया। उसे लगता है कि वह पाकिस्तान के कम से कम चार टुकड़े करना चाहता रहा है। एक पंजाब, दूसरा सिंध, तीसरा बलूचिस्तान और चौथा पख्तूनिस्तान। तो पाकिस्तान भी भारत के टुकड़े करने की कोशिश क्यों न करे? उसकी कोशिश कश्मीर, खालिस्तान, असम, नगालैंड और मिजोरम को खड़ा करने की रही है। यही नीति पाकिस्तान की सुरक्षा नीति रही है। भारत ने परमाणु बम बनाया तो पाकिस्तान ने भी जवाबी बम बना लिया। ऐसी सुरक्षा नीति की भला कोई सरकार घोषणा कैसे कर सकती थी? उसे जितना छिपाकर रखा जाए, उतना ही अच्छा। लेकिन उसके नतीजों को आप कैसे छिपा सकते हैं? पिछले 7-8 दशकों में वे नतीजे सारी दुनिया के सामने अपने आप आने लगे। अपने आप को तुर्रम खां बताने वाले पाकिस्तान के फौजी तानाशाहों, राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों को मालदार मुल्कों के आगे भीख का कटोरा फैलाए खड़े रहना पड़ता है। मोहम्मद अली जिन्ना ने पाकिस्तान का जो गुब्बारा 1947 में फुलाया था, उसकी हवा आज तक निकली पड़ी है। जिन्ना के सपनों का पाकिस्तान एक आदर्श इस्लामी राष्ट्र क्या बनता, वह दक्षिण एशिया के सबसे पिछड़े राष्ट्रों में शुमार हो गया। अब इमरान सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा नीति की जो घोषणा की है, उसमें आर्थिक सुरक्षा का स्थान सबसे ऊंचा है इसीलिए उसमें साफ-साफ कहा गया है कि पाकिस्तान अब सामरिक सुरक्षा की बजाय आर्थिक सुरक्षा पर अपना ध्यान केंद्रित करेगा। यदि वह सचमुच ऐसा करेगा तो बताए कि उसका रक्षा-बजट कुल बजट का 16 प्रतिशत क्यों है? यदि अपने इस 9 बिलियन डॉलर के फौजी बजट को वह आधा कर दे तो क्या बचे हुए पैसों का इस्तेमाल पाकिस्तानियों की शिक्षा, चिकित्सा और भोजन की कमियों को पूरा करने में नहीं किया जा सकता? इस नई सुरक्षा नीति की घोषणा के बाद देखना है कि अब उसका बजट कैसा आता है।

यह नई सुरक्षा नीति कोई रातोंरात बनकर तैयार नहीं हुई है। पिछले सात साल से इस पर काम चल रहा है, नवाज शरीफ के जमाने से। नवाज के विदेश मंत्री और सुरक्षा सलाहकार रहे बुजुर्ग नेता सरताज अजीज ने इस नई नीति पर काम शुरू किया था। उन्हीं दिनों भारत में बीजेपी की नरेंद्र मोदी सरकार कायम हुई थी। नवाज के घर मोदी अचानक जाकर उनकी नातिन की शादी में शामिल भी हुए थे। उसके पहले मोदी के शपथ समारोह में नवाज और अजीज ने शिरकत की थी। उन्हीं दिनों इस नई सुरक्षा नीति की नींव पड़ी थी, लेकिन अब जो दस्तावेज प्रकट हुआ है, उसमें मोदी और संघ की कटु आलोचना है। इस नीति की घोषणा करते समय कही गई इस बात पर कौन भरोसा करेगा कि पाकिस्तान अगले सौ साल तक भारत से अपने संबंध सहज बनाए रखेगा? भारत ने तो अफगानिस्तान के लिए 50 हजार टन अनाज और दवाइयां भिजवाने की घोषणा की थी, लेकिन पाकिस्तान ने उसे काबुल पहुंचाने का रास्ता नहीं खोला। भारत ने अफगानिस्तान पर बात करने के लिए पड़ोसी राष्ट्रों की बैठक में पाकिस्तान को भी बुलाया था लेकिन उसने चीन के साथ मिलकर उसका बहिष्कार कर दिया। अफगान-संकट ने तो ऐसा मौका पैदा कर दिया था कि उसका मिल-जुलकर समाधान करते हुए भारत और पाकिस्तान के बीच दोस्ती हो सकती थी। यदि पाकिस्तान को आर्थिक रूप से समृद्ध होना है तो उसे दक्षिण और मध्य एशिया के बीच एक सेतु की भूमिका तुरंत स्वीकार करनी चाहिए। यदि वह एक सुरक्षित पुल बन जाए तो मध्य एशिया के गैस, तेल, लोहा, तांबा, यूरेनियम आदि से भारत और पाकिस्तान मालामाल हो सकते हैं। अभी तो भारत-पाक व्यापार पर भी तालाबंदी लगी हुई है। नई नीति में यह ठीक कहा गया है कि अब पाकिस्तान कश्मीर के कारण भारत से बातचीत बंद नहीं करेगा लेकिन तब भी वह राग कश्मीर अलापता ही रहेगा। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की अब कश्मीर में कोई रुचि नहीं है। चीन भी उस पर चुप ही रहता है। लेकिन हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर कश्मीर को घसीटने से पाकिस्तान बाज नहीं आता। अच्छा हो कि इमरान सरकार इस मुद्दे पर भारत सरकार से सीधे संवाद की पहल करे। भारत के साथ उसकी दुश्मनी खत्म हो जाए तो उसे अमेरिका या चीन जैसे राष्ट्रों का चरणदास नहीं बनना पड़ेगा।

सर्दियों में अपने बच्चों का ऐसे रखें ख्याल, नहीं होंगे बीमार

सर्दियों का मौसम बड़ों को भले पसंद हो, लेकिन छोटे बच्चो के लिए मुश्किलों से भरा होता है क्योंकि छोटे बच्चे सर्दी की चपेट में जल्द ही आ जाते हैं। हम सभी जानते हैं कि छोटे बच्चे एक जगह पर आसानी से नहीं टिकते हैं इसलिए वह जल्द ही सर्दी से ग्रसित हो जाते है। बच्चे यदि छोटे हैं तो सर्दियों के मौसम में उनका विशेष ध्यान रखना पड़ता है। छोटे बच्चे इतने समझदार नहीं होते की वह अपना ख्याल रख सके। यदि इनका ध्यान नहीं रखा गया तो उन्हें ठंडी, सर्दी, खांसी और जुकाम जैसी बीमारी हो जाती हैं। छोटी उम्र में बच्चे बहुत ही नाजुक होते है, इसलिए उन्हें देखभाल की आवश्यकता पड़ती है। यदि आप चाहते हैं कि आपका बच्चा इस मौसम में स्वस्थ और निरोगी रहे साथ ही आप भी अच्छे से ठंड का मजा ले पाए तो इसके लिए जानिए कुछ टिप्स....

इन बातों का रखें ख्याल

ध्यान रहे की बच्चे की सोने वाली जगह ज्यादा ठंडी न रहे। आप चाहे तो उसके सोने से पहले हॉट वॉटर बॉटल रखकर बिस्तर को गर्म कर सकते है। यदि आपका बच्चा पानी नहीं पीता है तो आप उसे गर्म सूप और पेय पदार्थ दे सकते हैं। बच्चों को सीजनल सब्जियां और सारे फल भी खिला सकते हैं।

मालिश करें

सर्दियों में बच्चो को ठंड से बचाने के लिए बच्चों की मालिश करना बहुत आवश्यक होता है, इससे शरीर में गर्मी आती है। यदि आप बच्चे को नहलाने वाले हैं तो उससे पहले बच्चों की मालिश करें और उन्हें कुछ देर धूप में बैठाये। आप चाहे तो जैतून के तेल से मालिश कर सकते हैं, यह बच्चो के लिए काफी फायदेमंद होगा।

कपड़े लेयरिंग में पहनायें

ठंड के समय बच्चो को बड़ो के मुकाबले ज्यादा कपड़े की जरूर होती है।
ऐसे में बच्चों को एक-दो मोटे कपड़ों की जगह 3-4 पतले कपड़े पहनाये, यह उनके शरीर को ज्यादा गर्म रखेंगे।
कोशिश करे की सिर, पैर और कान हमेशा ढके रहे क्यूंकि इनसे जल्दी ही ठंड लगती है।

प्रतिदिन नहलाना जरुरी है

प्रतिदिन नहलाने से बच्चे कीटाणुओं से दूर रहते हैं। याद रहे जब भी बच्चो को नहलाये वह जगह बंद होनी चाहिए, जहां हवा न आ सके।
क्यूंकि हवा लगने से बच्चे को ठंड लग सकती है।

शीतकालीन कपड़े नियमित रूप से धोएं

हम कभी कभार ही अपने स्वेटर धोते हैं क्योंकि यह जल्दी नहीं सूखते है। हमें लगता है कि सर्दियों में कम पसीना आता है, इसलिए यह जल्दी गंदे नहीं होते है। आपको बता दे की ऊनी कपड़ों में धूल को आकर्षित करने की प्रवृत्ति होती है और इससे धूल एलर्जी और अस्थमा हो सकता है। इसलिए अपने ऊनी कपड़े नियमित रूप से धो लें।

हंसना मना है

पति-पत्नी दोनों मार्केट गए, वहां पति ने एक अनजान लड़की से कहा हेलो! पत्नी गुस्से में- बताओ ये कौन थी? पति कुछ सोचकर: ओए चुप कर, अभी उसे भी बताना है कि तुम कौन हो।

डॉक्टर: अब क्या हाल है? मरीज: पहले से ज्यादा खराब है। डॉक्टर: दवाई खाली थी क्या? मरीज: नहीं दवाई की शीशी तो भरी हुई थी। डॉक्टर: मेरा मतलब दवाई लेली थी? मरीज: आप ने दी तो मैंने लेली। डॉक्टर: बेवकूफ दवाई पीली थी? मरीज: नहीं दवाई तो लाल थी। डॉक्टर: गधे दवाई को पीलिया था? मरीज: नहीं जी पीलिया तो मुझे था। डॉक्टर: बेहोश।

पति के जन्मदिन पर पत्नी: क्या गिफ्ट दूं? पति: तुम मुझे इज्जत दो, कहना मानो यही काफी है। पत्नी: नहीं, मैं तो गिफ्ट ही दूंगी।

एक बार पति-पत्नी घूमने जा रहे थे...रास्ते में गधा मिला, पत्नी को मजाक सूझी...पत्नी: आपके रिश्तेदार हैं, नमस्ते करो। पति: भी कम नहीं था बोला, ससुर जी नमस्ते।

हमेशा मेरा-मेरा करती हो। पति: तुम हर बात पर हमेशा मेरा-मेरा करती हो, तुम्हें हमारा कहना चाहिए पत्नी कुछ ढूंढ रही होती है अलमारी में... पति: क्या ढूंढ रही हो? पत्नी: हमारा वॉलेट।

कहानी — सच्चा संत

एक सात वर्षीय बालक शहर के एक प्रसिद्ध महात्माजी के आश्रम में काफी दूर से आता है और उनसे मिलने के लिये बैठ जाता है। महात्माजी के प्रवचन का समय होने पर वे बाहर आते हैं और उस बालक को बैठा देखकर उसके पास आकर बड़े प्यार व स्नेह से उसके सिर पर हाथ फेरकर पूछते हैं कि तुम मुझसे क्यों मिलना चाहते हो। वह बड़ी ही विनम्रता से कहता है कि मेरी छोटी बहन बीमार है, मुझे नहीं पता उसे क्या हुआ है पर उसका ऑपरेशन करना बहुत जरूरी है। मेरे पिताजी के पास इतना धन नहीं है कि वे यह खर्च वहन कर सकें और उसकी जान बचा सके। मेरी मां ने कहा है कि अब भगवान ही इसे बचा सकते हैं। आप भगवान के देवदूत हैं और अगर आप चाहे तो भगवान से कहकर मेरी बहन को बचा सकते हैं। मैं अपने साथ यह गुल्लक भी लाया हूं जिसमें मेरे द्वारा बचाये गये जेब खर्च के रूपये जमा हैं और वह गुल्लक खोलकर उसमें रखे ग्यारह रूपये दान पेटी में डाल देता है और स्वामी जी की तरफ देखकर पूछता है कि अब आप भगवान से कहेंगें न। उस बालक का उसकी बहन के प्रति प्रेम और समर्पण देखकर स्वामी जी भौचक्के रह गये और प्रवचन छोड़कर उस बालक के साथ उसके घर पहुंच गये। वहां उन्होंने उसकी बहन की हालत देखकर तुरंत चिकित्सालय ले जाकर उसकी चिकित्सा एवं ऑपरेशन का प्रबंध कर दिया और सारी रकम अपने पास से अस्पताल में दे दी। उस बच्ची का तुरंत ऑपरेशन हो गया और उसकी जान बच गयी। स्वामी जी भी ऑपरेशन होने तक अस्पताल में ही बैठकर भगवान का नाम जप कर उसके ठीक होने की प्रार्थना करते रहे और चिकित्सकों के यह कहने के बाद कि अब उसकी जान को कोई खतरा नहीं है, वापिस आश्रम चले गये। वह बालक सबको कह रहा था कि भगवान ने महात्मा जी की बात मानकर उनके माध्यम से रूपये भिजवाकर मेरी बहन की जान बचा ली। महात्मा जी को जब बच्चे के मन की यह बात पता हुई तो उनके चेहरे पर असीम प्रसन्नता एवं खुशी का भाव आकर असीम संतुष्टि व तृप्ति का एहसास हुआ।

10 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज पति-पत्नी के बीच प्रेम बढ़ेगा। अपोजिट जेंडर वाला कोई व्यक्ति आपके करीब आ सकता है। पार्टनर के लिए आपकी इज्जत और बढ़ सकती है। खर्चा बढ़ सकता है।

वृषभ — आज किसी को प्रपोज करने के लिए समय अनुकूल है। पार्टनर को खुश करने के लिए आपको कुछ बातों को इग्नोर करना पड़ेगा। अपनी भावनाएं प्रेमी पर ना थोपें।

मिथुन — आपकी बात का गलत मतलब निकाला जा सकता है इसलिए बोलने से पहले थोड़ा सोचें। आज के दिन शुरू हुई रिलेशनशिप लंबे समय तक चल सकती है।

कर्क — ऑफिस में व्यस्त होने के कारण पार्टनर के लिए भी समय नहीं मिल पाएगा। आज आप रोमांटिक मूड में रहेंगे। पति-पत्नी के रिश्तों में भी कुछ बदलाव हो सकते हैं।

सिंह — किसी व्यक्ति से मुलाकात हो सकती हैं। अपनी बात सोच-समझकर ही शेयर करें। आज सिंह राशि वालों को प्यार में सफलता मिल सकती है।

कन्या — पति-पत्नी के बीच रिश्ते सामान्य रहेंगे। संतान वर्ग से अच्छी खबर मिल सकती है। अपने से बड़े अपोजिट जेंडर वालों से आकर्षण बढ़ सकता है। पार्टनर के साथ बाहर घूमने जा सकते हैं।

तुला — आज अविवाहित लोगों की शादी तय हो सकती है। आज आपका मूड रोमांटिक रहेगा। प्रेमी के साथ बाहर घूमने जा सकते हैं। पार्टनर की कोई बात आपको परेशान कर सकती है।

वृश्चिक — पति-पत्नी के बीच तालमेल बना रहेगा। आज के दिन लव लाइफ से जुड़ा फैसला कर सकते हैं। पार्टनर्स से आज आपको खुशखबरी मिल सकती है। प्रेमी की सेहत की चिंता रहेगी।

धनु — पार्टनर से सुख मिल सकता है। आज आपकी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है, जिससे आप बहुत प्रभावित हो सकते हैं। आज पति-पत्नी के बीच मनमुटाव हो सकता है। प्रेमी से उपहार मिल सकता है।

मकर — लव लाइफ में नयापन लाने के लिए कुछ नए प्रयास कर सकते हैं। पति-पत्नी के बीच प्यार बना रहेगा। एक्स्ट्रा अफेयर शुरू होने की संभावना है। आज के दिन शुरू होने वाली रिलेशनशिप लंबे समय तक चलेगी।

कुम्भ — पार्टनर को आपकी मदद से फायदा हो सकता है। जीवनसाथी की नजरो में आपकी इज्जत बढ़ेगी। पार्टनर की खुशी के लिए आपको कई मामलों में अपनी इच्छाएं दबानी पड़ सकती है।

मीन — प्रेमी से सोच-समझकर मजाक करें। आप अपने प्रेम संबंधों में मिठास लाने का प्रयास करें। सफलता मिल सकती है। पार्टनर से उपहार मिल सकता है।

प्रियंका चोपड़ा सरोगेसी के जरिए बनीं मां

सोशल मीडिया पर साझा की खुशखबरी

प्रियंका चोपड़ा मां बन गई हैं। इस खुशखबरी को उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किया है। प्रियंका ने बताया कि वे सरोगेसी के जरिए मां बनी हैं। इस बारे में सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए उन्होंने सभी से अपनी निजता बनाए रखने की भी अपील की।

प्रियंका ने अपनी पोस्ट में क्या लिखा

प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किए गए पोस्ट में लिखा, 'हमें यह बताते हुए बेहद खुशी है कि हमने सरोगेसी के जरिए अपने बच्चे का स्वागत किया है। अभिनेत्री ने आगे लिखा, 'इस खास मौके पर हम सम्मान पूर्वक अपनी गोपनीयता की मांग करते हैं क्योंकि इस समय हम अपना ध्यान अपने परिवार पर केंद्रित करना चाहते हैं। सभी का धन्यवाद।' सोशल मीडिया पर इस खबर के सामने आते ही इस कपल को बधाई का सिलसिला शुरू हो गया है। अभिनेत्री के इस पोस्ट पर उनके फैंस से लेकर कई सेलेब्रिटी तक कमेंट कर रहे हैं। इसके अलावा कपल के दोस्त और परिवार वाले भी उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं।

2018 में रचाई थी शादी

गौरतलब है कि प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस ने साल 2018 में एक- दूसरे के साथ शादी की थी। दोनों राजस्थान में जोधपुर के उम्मेद भवन पैलेस में हिंदू और ईसाई

बॉलीवुड | मसाला

रीति-रिवाज से शादी रचाई थी। हाल ही में दोनों ने अपनी शादी की तीसरी सालगिरह भी मनाई थी।

बीते दिनों प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से अपने पति निक जोनस का सरनेम हटा लिया था, जिसके बाद से ही दोनों के अलग होने की खबरें छाई रही थीं। हालांकि, बाद में यह महज अफवाह साबित हुई थी।

शहनाज गिल ने कराया ट्रेडिशनल फोटोशूट

पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर सिंगर और एक्ट्रेस शहनाज गिल हमेशा ही किसी न किसी कारण चर्चा का हिस्सा बनी रहती हैं। उनके लिए साल 2021 काफी मुश्किलों से भरा रहा। टीवी एक्टर सिद्धार्थ शुक्ला की मौत के बाद वह सदमे में चली गई थीं, लेकिन अब आखिरकार उन्होंने वक्त के साथ खुद को संभालना भी सीख लिया है।

ऐसे में शहनाज पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हो गई हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह ट्रेडिशनल लुक में नजर आ रही हैं और बेहद खूबसूरत लग रही हैं। यहां फैंस उनकी तारीफें करते नहीं थकते हैं। सामने आई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि शहनाज ने इस फोटोशूट के लिए येलो कलर के खूबसूरत से लहंगे में नजर आ रही हैं, जिसको उन्होंने ट्रांसपेरेंट पिंक और ब्लू चुन्नी के साथ पेयर किया है। अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए एक्ट्रेस ने ज्वेलरी के नाम पर सिर्फ एक नेकपीस पहना हुआ है। साथ ही उन्होंने टॉप्स कैरी किए हैं। लाइट मेकअप और खुले बाल उनकी खूबसूरती पर चार चांद लगा रहे हैं। पोस्ट शेयर करते हुए शहनाज ने कैप्शन में लिखा है, दिन कैसा रहा? कुछ ही देर पहले इन तस्वीरों को अब तक लाखों लाइक्स मिल चुके हैं। साथ ही कमेंट्स का सिलसिला लगातार जारी है।

बॉलीवुड | गपशप

गहराइयां के ट्रेलर में दीपिका को देख हैरान रह गए पति रणवीर सिंह

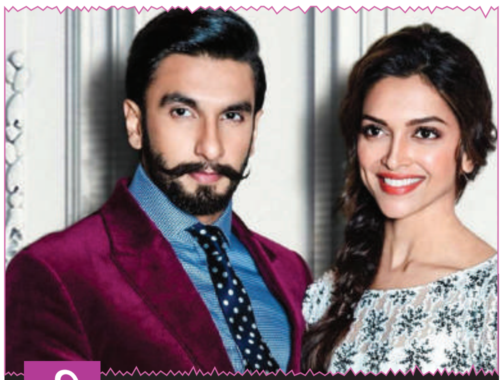

दीपिका पादुकोण इन दिनों अपनी अगली फिल्म गहराइयां को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इस फिल्म से वह डिजिटल की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। हाल ही में उनकी इस फिल्म का जबरदस्त ट्रेलर रिलीज हुआ है, जिसे दर्शकों और फिल्मी हस्तियों से खूब प्यार मिल रहा है। अब इस पर एक्टर रणवीर सिंह ने भी प्रतिक्रिया जाहिर की है। रणवीर फिल्म में अपनी अभिनेत्री पत्नी दीपिका पादुकोण की परफार्मेंस से हैरान हैं। उन्होंने एक्ट्रेस की तारीफ करते हुए उन्हें फैजिलियन बक्स कहा है। फिल्म से दीपिका की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं। इसी के साथ उन्होंने कैप्शन में एक्ट्रेस के लिए एक खूबसूरत नोट लिखा। रणवीर ने लिखा, मूडी, सेक्सी और इंटेंस! एक डॉमेस्टिक नॉयर? मुझे साइन अप करें! इसमें सभी मेरे पसंदीदा है, शकुन बत्रा, अनन्या पांडे, सिद्धांत चतुर्वेदी, नसीर साहब और मेरी बेबी गर्ल जो फैजिलियन बक्स की तरह लग रही है।

बता दें कि शकुन बत्रा के निर्देशन में बनी इस फिल्म को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज किया जाने वाला है। गहराइयां में दीपिका पादुकोण, सिद्धांत चतुर्वेदी, अनन्या पांडे, धैर्य करवा के साथ-साथ नसीरुद्दीन शाह और रजत कपूर जैसे सितारे भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। धर्मा प्रोडक्शंस और शकुन बत्रा की जौस्का फिल्म्स द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित, फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर विशेष रूप से 11 फरवरी को अमेजन प्राइम वीडियो पर किया जाएगा।

इस देश में अभी चल रहा साल 2013

दुनिया नए साल में प्रवेश कर चुकी है। अब लोग नए साल का जश्न मनाने के बाद अपने काम पर लौट गए हैं लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि दुनिया में एक ऐसा देश है जहां अभी साल 2013 चल रहा है। यह एक अफ्रीकी देश है जिसका नाम इथियोपिया है। इथियोपिया का कैलेंडर दुनिया के कैलेंडर से 7 साल, 3 महीने पीछे चलता है। यह अफ्रीकी देश दुनिया से कई और मामलों में बिल्कुल अलग है। जहां दूसरे देशों में 12 महीना होता है तो वहीं इस देश में 13 महीने का एक साल होता है। इथियोपिया की जनसंख्या करीब 85 लाख है जो अफ्रीका का दूसरा सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है। इथियोपिया का कैलेंडर ग्रेगोरियन कैलेंडर से करीब पौने आठ साल पीछे है। यहां पर नया साल एक जनवरी को नहीं मनाया जाता है बल्कि 11 सितंबर को लोग नया साल मनाते हैं। साल 1582 में ग्रेगोरियन कैलेंडर शुरू हुआ था। इससे पहले इथियोपिया में जूलियन कैलेंडर का इस्तेमाल किया जाता है जो देश कैथोलिक चर्च को मानते थे। उन्होंने नया कैलेंडर स्वीकार कर लिया लेकिन कई देशों ने इस कैलेंडर को स्वीकार नहीं किया और इसका विरोध कर रहे थे। इन देशों में इथियोपिया भी शामिल था। इथियोपिया के लोग ऑर्थोडॉक्स चर्च को मानते हैं। 7 बीसी में ईसा मसीह का जन्म हुआ जिसके मुताबिक, कैलेंडर की गिनती शुरू हुई जबकि दूसरे देशों में ईसा मसीह का जन्म AD वन में माना जाता है। इसकी वजह से अभी तक यहां के कैलेंडर में साल 2013 चल रहा है जबकि दुनिया में 2022 शुरू हो चुका है।

अजब-गजब | बहनों की तरह साथ रहती हैं सौतनें

ऐसा गांव जहां हर मर्द करता है 2 शादियां

भारत हो या कोई और देश, ज्यादातर जगहों पर एक शख्स को एक समय में एक ही पत्नी या पति रखने का अधिकार है। भारत में तो एक बार शादी करने के बाद बिना तलाक के दूसरी शादी करना गैरकानूनी है लेकिन आज हम जिस गांव के बारे में बात कर रहे हैं, वो भारत के राजस्थान में बसा है। सबसे अजीब बात कि यहां के हर मर्द ने दो शादियां की है लेकिन न तो कानून ही उन्हें सजा देता है न ही शख्स की पत्नियां अपने अधिकार के लिए लड़ती हैं बल्कि दोनों पत्नियां बहनों की तरह साथ रहती हैं।

हम बात कर रहे हैं राजस्थान के जैसलमेर में बसे रामदेयो गांव की। इस गांव में रहने वाला हर मर्द दो शादियां करता है। इन शादियों के पीछे काफी पुराना रिवाज है। कहा जाता है कि इस गांव में जिसने भी सिर्फ एक शादी की है उसकी पत्नी ने गर्भधारण नहीं किया है। अगर पहली पत्नी प्रेग्नेंट हो भी जाए तो सिर्फ बेटी को ही जन्म देती है। ऐसे में लोग दूसरी शादी करते हैं।

सबसे हैरानी की बात ये है कि हर मर्द की दूसरी बीवी का बेटा ही होता है। ऐसे में वंश का नाम आगे बढ़ाने के लिए मर्दों को दूसरी शादी करना जरुरी है लेकिन जहां एक पत्नी अपने पति को किसी और के साथ बांटने को तैयार नहीं होती, वहीं इस गांव में दोनों सौतन बहनों की तरह साथ रहती हैं। हर घर में महिलाएं इस तरह साथ रहती हैं, जैसे बहनें।

दरअसल, इस परंपरा के बारे में सभी को पता ही है। ऐसे में महिलाओं ने इसे अपनी किस्मत मानकर पति की दूसरी शादी को अपना लिया है। हालांकि, नए जेनरेशन के लोग इस रिवाज से अब मुंह मोड़ रहे हैं। ये न सिर्फ इलीगल है बल्कि इसे लोग मर्दों द्वारा दूसरी शादी करने का बहाना भी बता रहे हैं। इस अजीबोगरीब परंपरा की वजह से ये गांव मशहूर है। पुलिस को भी इस गांव के इस रिवाज की जानकारी है। इसके बावजूद यहां दूसरी शादी के लिए किसी को अरेस्ट नहीं किया जाता।

अभी और सताएगी ठंड, कई जिलों में यलो अलर्ट

गरज-चमक के साथ बारिश के भी आसार

कई जिलों में घने कोहरे का अनुमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अभी प्रदेश में सर्दी से राहत मिलती नहीं दिख रही है। पश्चिमी यूपी के लिए मौसम वैज्ञानिक गलन भरे दिनों व घने कोहरे के आसार जता रहे हैं। कई जिलों के लिए यलो अलर्ट भी जारी किया गया है। कई इलाकों में गरज-चमक के साथ बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने 25 जनवरी तक तेज हवा और गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी की संभावना जताई है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में घने कोहरे के साथ कोल्ड डे की चेतावनी जारी की गई है।

मौसम विभाग के अनुसार दो दिनों तक बादलों की आवाजाही जारी रहेगी। सुबह के समय हल्के से मध्यम कोहरा हो सकता है। साथ ही अधिकतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस के मध्य रह सकता है। बारिश की वजह से प्रदेशभर के न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। रविवार को उत्तर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में बारिश हुई। बरेली में 25.1 मिलीमीटर, नजीबाबाद में 12.0 मिलीमीटर, मुजफ्फरनगर में 10.8 मिलीमीटर और लखीमपुर खीरी में दो मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

लखनऊ का अधिकतम तापमान 17.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बारिश के कारण न्यूनतम तापमान लगातार नीचे जा रहा है। रविवार को सबसे कम तापमान मुजफ्फरनगर में 6.0 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान प्रयागराज में 25.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) कानपुर के मौसम विज्ञानी डा. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि जनवरी में करीब दो सप्ताह तक बादल छाए रहे जो फसलों और फलों के लिए मुसीबत बने। 21 जनवरी को सक्रिय हुए पश्चिमी विक्षोभ की वजह से उत्तरी राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली पर प्रेरित चक्रवाती हवा का क्षेत्र विकसित हुआ। अगले ही दिन यह जोड़ी पश्चिम उत्तर प्रदेश, कानपुर मंडल सहित उत्तरी मध्य प्रदेश को कवर करते हुए पूर्व की ओर बढ़ी। इससे उत्तर प्रदेश की हवा का रुख दक्षिण पूर्वी हुआ और बारिश हुई। मौसम विभाग ने सहारनपुर, आगरा, फिरोजाबाद, कासगंज, एटा, हाथरस, अलीगढ़, बुलंदशहर, जीबी नगर, गाजियाबाद, हापुड़, मेरठ, बागपत, शामी, मुजफ्फरनगर, व आसपास कोल्ड डे का अलर्ट जारी किया है। वहीं आगरा, फिरोजाबाद मैनपुरी, इटावा, औरैया, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर, कासगंज, एटा, हाथरस, अलीगढ़, बुलंदशहर, जीबी नगर, गाजियाबाद और आसपास घना कोहरा रहेगा। हालांकि पूर्वी यूपी में कुछ राहत रह सकती है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस

बूथ पर वोटर बनने का मिलेगा अवसर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» फोटो मतदाता पहचान पत्र भी होगा जारी

वाराणसी। राष्ट्रीय मतदाता दिवस (25 जनवरी) पर इस बार ऑनलाइन कार्यक्रम पर विशेष जोर है। स्कूल-कॉलेज में ऑनलाइन परिचर्चा आदि कार्यक्रम संग शपथ ग्रहण कराए जाएंगे। इसी क्रम में इस बार सभी बूथ पर उक्त दिवस को बीएलओ उपस्थित रहेंगे। मतदाताओं को वोटिंग के लिए शपथ दिलाएंगे। युवाओं को वोट देने के लिए प्रेरित करेंगे। साथ ही किसी कारण से अब तक जो वोटर नहीं बन सकें हैं, उन्हें मतदाता सूची में शामिल करने के लिए फार्म भी भरवाएंगे। मतदाता सूची में नाम देखने का ऑनलाइन प्रोसेसिंग भी समझाएंगे।

विधानसभा वार नियुक्त आरओ अपने-अपने क्षेत्र में वोटरों को शपथ दिलाएंगे। साथ अधिक संख्या में वोटिंग की अपील भी करेंगे। इसके अलावा आचार संहिता के अनुपालन में सहयोग की भी बात करेंगे। जिले के सभी सरकारी, गैर सरकारी और सभी विभागाध्यक्ष से जिलाधिकारी ने अपील की है कि इस बार अपने कार्यालय में मतदाता दिवस का शपथ दिलाएं। बहुतायत विभागों को इस बाबत पत्र भी भेजे गए हैं। यह भी कहा गया है कि आयोग के वेबसाइट पर मतदाता शपथ अपलोड भी है।

रेलवे पुल के छह बोल्ट गायब, बड़ा हादसा टला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

साजिश की आशंका मुकदमा दर्ज

लखनऊ। विधान सभा चुनाव के बीच गणतंत्र दिवस से ठीक पहले रामनगरी में बड़ी रेल दुर्घटना की साजिश सामने आई है। यहां रेल पुल के तीन हुक और तीन बोल्ट रातोंरात खोल दिए गए। स्लीपर और पटरी को पुल से जोड़कर रखने में ये बोल्ट अत्यन्त महत्वपूर्ण होते हैं। रविवार सुबह जब तक रेल कर्मचारियों की नजर पड़ी तब तक तीन प्रमुख ट्रेनें इसी पुल से धड़धड़ाती हुई गुजर गईं। इस घटना से रेलवे अधिकारी सकते में हैं।

सीनियर सेक्शन इंजीनियर एल बराइक ने रेल हादसे की साजिश की आशंका व्यक्त करते हुए रेलवे सुरक्षा बल के थाना अयोध्या कैंट एवं कोतवाली अयोध्या में तहरीर दी है। आरपीएफ ने बोल्ट चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। रेल पथ की निगरानी से जुड़े एक जिम्मेदार अधिकारी ने इसके पीछे बड़े षड्यंत्र की आशंका जताई है। रविवार सुबह एक रेल कर्मी ने देखा कि अयोध्या के जालपा नाला पर बने रेल पुल संख्या 297 पर बोल्ट लापता हैं। उसने तत्काल सीनियर सेक्शन इंजीनियर बराइक को इसकी सूचना दी। एसएसई के अनुसार, बोल्ट को कोई आसानी से नहीं खोल सकता है। इस घटना को सामान्य चोरी नहीं माना जा सकता है। यदि दो-तीन बोल्ट और लापता हो जाते तो ट्रेन भी पलट सकती थी। वहीं रात 2:30 बजे के करीब ओखा-गुवाहाटी एक्सप्रेस, उसके बाद साबरमती व मरुधर एक्सप्रेस इसी पुल से होकर गुजरी थीं। कोतवाल अयोध्या देवेंद्र पांडेय ने बताया कि मुकदमा दर्ज किया गया है।

50 लाख की स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सहारनपुर। गंगोह थाना पुलिस ने एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपित के पास से आधा किलो स्मैक बरामद हुई है। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में 50 लाख कीमत है। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है।

एसपी देहात अतुल शर्मा ने बताया कि गंगोह थाना प्रभारी प्रविंद्र पाल सिंह पुलिस टीम के साथ मोहनपुरा गांव के जंगल में गश्त पर थे। उसी समय एक युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस को शक हुआ तो उसे हिरासत में ले लिया गया। उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास से 505 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम शाकिब पुत्र इमरान निवासी मैनपुरा उर्फ मोहनपुरा थाना गंगोह बताया। वह बरेली से नशा खरीदकर लाता है और उसके बाद सहारनपुर, पानीपत, यमुनानगर सप्लाई करता है। आरोपी ने अपने साथ काम करने वाले कई नशा तस्करों के नाम पुलिस को बताए हैं।

पंजाब लोक कांग्रेस के उम्मीदवारों का ऐलान

पटियाला शहर से चुनाव लड़ेंगे कैप्टन अमरिंदर

» पहली सूची में 22 प्रत्याशियों के नाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब विधान सभा चुनाव के लिए भाजपा के साथ गठबंधन करने वाले कैप्टन अमरिंदर सिंह ने रविवार को अपनी पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस (पीएलसी) के 22 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी। गठबंधन में पीएलसी के हिस्से 37 सीटें आई हैं। इनमें से पटियाला शहर सीट पर कैप्टन खुद ताल ठोक रहे हैं।

पार्टी ने शिरोमणि अकाली दल के पूर्व विधायक फरजाना आलम को मलेरकोटला से उतारा है। कमलदीप सैनी को खरड़ से, सतिन्दरपाल सिंह ताजपुरी लुधियाना दक्षिण से व जगमोहन शर्मा को लुधियाना पूर्व से टिकट दिया है। कैप्टन का अपना गढ़ पटियाला में वर्चस्व कायम है। जिले की आठ सीटों में से पांच कैप्टन की पंजाब लोक कांग्रेस (पीएलसी) के हिस्से आई हैं। इनमें पटियाला के वर्तमान मेयर संजीव शर्मा को पटियाला ग्रामीण से टिकट मिला है, दूसरी ओर सनौर से विक्रमजीत इंद्र सिंह चाहल को मैदान में उतारा गया है। समाना से सुरिंदर सिंह खेड़की को प्रत्याशी घोषित किया है।

सॉल्वर गैंग का भंडाफोड़ लेखपाल समेत 13 गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» यूपी टीईटी: बड़ी संख्या में प्रवेश पत्र और आधार कार्ड बरामद

प्रयागराज। टीईटी परीक्षा के दौरान प्रयागराज के खुल्दाबाद इलाके में सॉल्वर गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। क्राइम ब्रांच व लोकल पुलिस की ज्वाइंट टीम ने लेखपाल समेत गिरोह के 13 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें से आठ सॉल्वर हैं, जो बिहार व झारखंड से मूल अभ्यर्थियों के स्थान पर परीक्षा देने आए थे। गिरफ्तार तीन लेखपाल में से एक मेजा जबकि दो अन्य दूसरे जनपदों में तैनात हैं।

रेलवे स्टेशन के पास पुलिस टीम ने 13 संदिग्धों को पकड़ा था जिनके कब्जे से बड़ी मात्रा में प्रवेश पत्र, आधार कार्ड मिले थे। पूछताछ में पता चला कि सभी सॉल्वर गिरोह के सदस्य हैं जो टीईटी में सेंधमारी करने की तैयारी में थे। पकड़े गए लोगों में से आठ सॉल्वर हैं, जिन्हें बिहार से बुलाया गया था। इनमें से एक गिरोह का सरगना पवन कुमार यादव भी है। पकड़े गए लोगों में तीन लेखपाल भी शामिल हैं और इन्होंने ही पवन के माध्यम से सॉल्वर गिरोह के जरिए परीक्षा में सेंधमारी की तैयारी की थी। पकड़े गए गिरोह के सदस्यों में पवन कुमार यादव, गुलशन कुमार, अभिनव सिन्हा, मनीष कुमार यादव, शुभम कुमार, विभूति प्रसाद, राणा रंजन, रंजन कुमार, राहुल यादव, राधेश्याम वर्मा, कमलेश कुमार, सर्वेश कुमार भट्ट और युगल किशोर शामिल हैं।

शिकायत के बाद भी चन्नी के खिलाफ क्यों नहीं हुई कार्रवाई: राघव

» आप नेता ने कांग्रेस नेतृत्व पर उठाए सवाल

» कहा, पंजाब में माहौल बिगाड़ने की हो रही है कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) के पंजाब मामलों के सह प्रभारी राघव चड्ढा ने कांग्रेस नेतृत्व पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को रेत माफिया चलाने के लिए चरणजीत सिंह चन्नी के खिलाफ लिखित शिकायत की थी तो उन्होंने उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की। कांग्रेस नेतृत्व ने चन्नी पर कार्रवाई करने के बजाय उन्हें मुख्यमंत्री बना दिया।

राघव चड्ढा ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व सोनिया गांधी और राहुल गांधी से सवाल किया कि जब उन्हें पता चल गया कि चन्नी रेत माफिया से जुड़े हैं तो उन्हें मुख्यमंत्री क्यों बनाया। मुख्यमंत्री बनाने के बाद भी जब चन्नी के रिश्तेदारों के पास ईडी की रेड में करोड़ों रुपये और कई बेनामी संपत्ति के कागजात मिले तो चन्नी को पार्टी से सस्पेंड क्यों नहीं किया। क्या रेत माफिया का पैसा कांग्रेस नेतृत्व के पास भी पहुंच रहा है इसीलिए कांग्रेस नेतृत्व मुख्यमंत्री पर कार्रवाई करने से बच रही है। उन्होंने कहा कि अकाली नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने आरोप लगाया है कि चन्नी, उनके रिश्तेदार हनी और मनी (पैसा) का एक नेक्सस चल रहा है और रेत माफिया का करोड़ों का धंधा हो रहा है। मजीठिया ने यह भी आरोप लगाया कि सीएम के रिश्तेदारों ने जंगलात विभाग, जहां खुदाई नहीं हो सकती, वहां भी खनन कराया और पैसे बटोरे। मजीठिया ने चन्नी पर 111 दिन में 1111 करोड़ कमाने का आरोप लगाया। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के सलाहकार मोहम्मद मुस्तफा के भड़काऊ बयान (झाड़ू वालों को घर में घुसकर मारूंगा) पर मलेरकोटला के आप उम्मीदवार द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर पर उन्होंने कहा कि मुस्तफा ने पंजाब का माहौल बिगाड़ने की कोशिश की और लोगों को धर्म पर बांटने की साजिश रची। इस वजह से हमारे उम्मीदवार और कार्यकर्ताओं ने पंजाब में शांति-भाईचारा कायम करने के लिए मुस्तफा पर एफआईआर दर्ज कराई है। मुस्तफा सिर्फ सिद्धू के ही नहीं, वह मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी के भी बेहद करीबी हैं। मुस्तफा चाहे जितने भी बड़े हों, कानून से ऊपर नहीं हो सकते।

फोटो: सुमित कुमार

रिहर्सल में दिखी गणतंत्र दिवस की झांकी

प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आज गणतंत्र दिवस के मौके पर निकलने वाली परेड की फुल ड्रेस रिहर्सल हुई। परेड चारबाग से निकलकर केडी सिंह बाबू स्टेडियम पहुंची। इसमें भारतीय सेना के जवान, पुलिसकर्मी और एनसीसी कैडेट शामिल हुए। वहीं सर्द मौसम के बीच काफी संख्या में लोग फुल ड्रेस रिहर्सल देखने पहुंचे।

नफरत की राजनीति करती है भाजपा : अखिलेश

नहीं है विकास का विजन

» साजिशों से खो चुकी है जनता का भरोसा, यूपी में होगा बदलाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि आज प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है। वह भाजपा को हटाने के लिए संकल्पित है। जनता को भरोसा है कि समाजवादी पार्टी ही एकमात्र विकल्प है और जनता की आशा-आकांक्षाएं समाजवादी सरकार बनने पर ही पूरी हो सकेंगी। समाजवादी सरकार की पिछली उपलब्धियां गवाह हैं कि समाजवादी जो कहते हैं, वही करते हैं और जो करते हैं वहीं कहते हैं।

उन्होंने कहा कि सपा और भाजपा में बुनियादी फर्क यह है कि समाजवादी नकारात्मक राजनीति नहीं करती है जबकि भाजपा नफरत फैलाती है। समाजवादी

प्रगतिशील सोच की पार्टी है जबकि भाजपा के पास विकास का कोई विजन नहीं है। सपा सरकार के समय जो निर्माण कार्य हुए, बुनियादी ढांचे का विस्तार हुआ उसके आगे भाजपा सरकार ने एक ईंट नहीं रखी। भाजपा सरकार के कार्यकाल में एक यूनिट बिजली का उत्पादन नहीं हुआ। समाजवादी सरकार के समय जो बिजली घर बने, वही खड़े हैं। भाजपा ने जनता को महंगी बिजली देकर महंगाई से कमर तोड़ने का काम किया है। युवा छात्र-छात्राएं अच्छे से पढ़ाई कर सकें और शिक्षा-रोजगार के क्षेत्र में अपना भविष्य बना सकें इसके लिए लगभग 20 लाख लैपटॉप भी समाजवादी सरकार में बांटे गए थे। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में इसके वादे किए जो हवाई वादे निकले। उन्होंने कहा कि भाजपा ने राजनीति को झूठ से अर्थहीन बना दिया हैं और अपनी साजिशों से उसने जनता के बीच विश्वास खो दिया है। महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार चरम पर है। अन्याय, अत्याचार से लोग त्रस्त हैं। भाजपा के अब गिने-चुने दिन रह गए हैं। 2022 के विधान सभा चुनावों में भाजपा का सफाया होना तय है।

संबित पात्रा का सपा प्रमुख पर हमला

कहा, पाकिस्तान को दुश्मन नहीं मानते अखिलेश

» प्रत्याशियों की सूची पर भी उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आते जा रहे हैं वैसे-वैसे राजनीतिक बयानबाजी तेज होती जा रही है। इसी क्रम में आज भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में जिन्ना को हमारी पार्टी ने नहीं लाया बल्कि अखिलेश यादव लाए। अखिलेश यादव पाकिस्तान को दुश्मन नहीं मानते हैं। वे दुश्मन मानेंगे भी कैसे, जो करे जिन्ना से प्यार वह कैसे करे पाकिस्तान से इंकार।

उन्होंने कहा कि अखिलेश ने अपने बयान में कहा कि पाकिस्तान भारत का असली दुश्मन नहीं है। सिर्फ भजपा अपने वोटों के खातिर पाकिस्तान को अपना दुश्मन मानती है। उनका

यह बयान दुखद, चिंताजनक और शर्मनाक है। अखिलेश यादव अपने बयान पर पश्चाताप करें। 2017 के बाद से यूपी में विकास की राजनीति शुरू हुई है। उन्होंने कहा कि अखिलेश उम्मीदवार का नाम घोषित नहीं करेंगे क्योंकि उनमें अधिकतर उम्मीदवार गुंडे और मवाली हैं। उन्हें पता है कि अगर वे सूची जारी करेंगे तो जनता के सामने उनकी पोल खुल जाएगी। उन्होंने जेल गए उम्मीदवार नाहिद हसन को लेकर भी अखिलेश यादव को घेरा।

महिला अधिवक्ता के परिजनों से मारपीट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। जार्ज टाउन थाना क्षेत्र स्थित एक होटल में महिला अधिवक्ता के सिर पर डीजे का बेस गिरा गया जिसके कारण महिला अधिवक्ता गंभीर रूप से घायल हो गई। आरोप है कि इस बात से नाराज परिजनों ने विरोध किया तो होटल मालिक, संचालक व अन्य कर्मचारियों ने परिजनों को कमरे में बन्द कर बुरी तरह से मारा-पीटा व जान से मारने की धमकी दी ।

» होटल मालिक समेत अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज

जार्ज टाउन थाना क्षेत्र स्थित होटल केजीएफ में महिला अधिवक्ता संध्या ने अपने भतीजे के जन्मदिन पार्टी के लिए 24 दिसंबर को इसे बुक किया था । उन्होंने बताया कि पार्टी के दौरान डीजे का बेस उनके सिर पर गिर गया जिसके चलते वे गंभीर रूप से घायल हो गईं। महिला के भाई व अन्य लोगों ने विरोध जताया तो होटल मालिक, संचालक अखिलेश मिश्रा, कोमल कुशवाहा व अन्य होटल कर्मचारियों ने होटल के कमरे को बंद कर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। स्वास्थ लाभ करने के बाद महिला अधिवक्ता संध्या ने होटल मालिक, संचालक व अन्य कर्मचारियों के खिलाफ जार्ज टाउन थाने में मुकदमा दर्ज कराया है ।

धीमी पड़ रही कोरोना की रफ्तार, केसों में कमी

» कल के मुकाबले आज आए 27,469 से कम केस

» तीन लाख से अधिक मामले आए सामने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामलों कमी देखने को मिली है। भारत में आज कोरोना के 3,06,064 नए मामले सामने आए हैं। रविवार के मुकाबले कोरोना के 27,469 कम केस आए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बीते 24 घंटे में 439 मरीजों की मौत हुई है जबकि 2,43,495 लोग कोरोना से ठीक भी हुए हैं। रविवार को देश में कोरोना के कुल 3,33,533 मामले सामने आए थे।

देश में अब एक्टिव मामलों की संख्या बढ़कर 22,49,335 हो गई

है। वहीं, 3,68,04,145 लोग अब तक रिकवर हो चुके हैं। कुल मौतों का आंकड़ा 4,89,848 पहुंच गया है। डेली पाजिटिविटी रेट भी बढ़कर 20.75 फीसदी हो गया है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने बताया कि भारत में कल कोरोना वायरस के लिए 14,74,753 सैंपल टेस्ट किए गए थे। कल तक कुल 71,69,95,333 सैंपल टेस्ट किए जा चुके हैं। देश में वैक्सीनेशन का आंकड़ा 162 करोड़ के पार हो गया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।